एनएसटीएफडीसी की वर्ष 2017-18 की प्रमुख गतिविधियां / उपलब्धियां

नेशनल शेडयूल्ड ट्राइब्स फाइनांस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसटीएफडीसी) पात्र अनुसूचित जनजातियों को स्व रोजगार उपलब्ध कराने के लिए रियायती वित्तीय सहायता प्रदान करता है। राज्य के स्वामित्व वाले राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों (एससीए), संबंधित राज्यों / संघ शासित प्रदेशों, एनसीडीसी, कुछ पीएसयू बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और अन्य नामित माध्यमों से एनएसटीएफडीसी अपने फंड को संचालित करता है ।

(1) **सितम्बर**, 2017 **माह के दौरान कार्यान्वित प्रमुख गतिविधियां**:

(क) निष्पादन:

वर्ष 2017-18 के लक्ष्यों और उपलब्धियों की स्थिति निम्नानुसार है:

(**करोड़ रुपए में**)

क्र.सं.	**मद**	**वित्तीय** वर्ष **2017-18**		**पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान निष्पादन**
		वार्षिक लक्ष्य	**30.09.2017 तक की उपलब्धि**	
i.	**मंजूरी**	**240.00**	**78.90**	**56.25**
ii.	**संवितरण**	**236.00**	**41.81**	**52.53**

(ख) एनएसटीएफडीसी ने ट्राईफेड के साथ एक समझौता ज्ञापन किया। समझौता ज्ञापन के अनुसार, एनएसटीएफडीसी ,जनजातीय कारीगरों को आमदनी कराने वाली स्कीम के तहत रियायती वित तीय सहायता प्रदान करेगा और ट्राईफेड द्वारा इन कारीगरों के उत्पाद/उपज की मार्केटिंग की जाएगी ।

(ग) एनएसटीएफडीसी ने नई दिल्ली में दिनांक **04.0 9 .2017** को एनएसटीएफडीसी की राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन का उद्घाटन जनजातीय कार्य मंत्रालय के माननीय जनजातीय केन्द्रीय मंत्री, श्री जुएल ओराम ने किया, जिसमें प्रधान सचिव, जनजातीय कल्याण विभाग तथा एनएसटीएफडीसी के राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों के प्रबंध निदेशक सहित **40** प्रतिभागियों ने भाग लिया ।

ट्राईफेड के प्रबंध निदेशक, श्री प्रवीर कृष्ण ने सम्मेलन में उपस्थित अधिकारियों को ट्राईफ़ेड और एनएसटीएफडीसी के बीच हुए एमओयू की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों के प्रबंध निदेशकों से जनजातीय कारीगरों के ऋण आवेदन को तत्काल एनएसटीएफडीसी को अग्रेषित करने के लिए अनुरोध किया।

(घ) नई दिल्ली में ट्राईफेड के सहयोग से आजीविका कार्निवल में प्रदर्शन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में कार्यान्वित विभिन्न आजीविका मॉडल के बारे में प्रबंध निदेशक (सीआरएएसवीएवीएन) के साथ विचार-विमर्श करने हेतु इसी महीने अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने रायपुर (छत्तीसगढ़) का दौरा किया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने रायपुर में तथा उसके आसपास के विभिन्न आजीविका मॉडल के तहत संचालित इकाइयों के अलावा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने जगदलपुर (छत्तीसगढ़) में ट्राईफेड के आदिवासी कारीगर इकाइयों का भी दौरा किया ।

(ड) एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों सहित अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में दिनांक **14.0 9 .2017** को आयोजित राज्यसभा पटल पर रखे गए पत्र संबंधी संसदीय समिति

की एक बैठक में भाग लिया। इस बैठक की अध्यक्षता श्री संजय राउत, माननीय संसद सदस्य (राज्य सभा) ने की।

(च) झारखंड राज्य जनजातीय सहकारी विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के साथ अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने झारखंड सरकार के जनजातीय कल्याण विभाग की आजीविका संबंधी संभावनाएं तलाशने के लिए परामर्श बैठक किया ।

(छ) सितंबर, **2017** माह में, एनएसटीएफडीसी से संबंधित रिक्तियों की स्थिति को अद्यतन करने तथा एसीसी रिक्ति निगरानी प्रणाली में तैनाती करने संबंधी जानकारी शून्य है।

(2) **अक्टूबर**, 2017 **माह के दौरान कार्यान्वित प्रमुख गतिविधियां**:

(क) निष्पादन:

वर्ष 2017-18 के लक्ष्यों और उपलब्धियों की स्थिति निम्नानुसार है:

(**करोड़ रुपए में**)

क्र.सं.	**मद**	**वित्तीय वर्ष 2017-18**		**पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान निष्पादन**
		वार्षिक लक्ष्य	**30.10.2017** तक की उपलब्धि	
i.	मंजूरी	**240.00**	**103.73**	**70.09**
ii.	संवितरण	**236.00**	**57.24**	**57.36**

(ख) जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशों पर, एनएसटीएफडीसी ने भुवनेश्वर (ओडिशा) में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाने के लिए " रन फॉर युनिटी" कार्यक्रम का आयोजन किया। जनजातीय कार्य मंत्रालय के माननीय केंद्रीय मंत्री, श्री जुएल ओराम ने "रन फॉर युनिटी" को झंडी दिखाकर रवाना किया था जिसमें एनएसटीएफडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय ने भी भाग लिया था।

(ग) इस दौरे के दौरान, ऋण संबंधी गतिविधियों को पुर्नजीवित करने के लिए ओडिशा अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति विकास एवं वित्त सहकारी निगम लिमिटेड के अधिकारियों के साथ चर्चा की गई ।

(घ) अनुसूचित जनजातियों के हित के लिए सीएसआर गतिविधियों के कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दों पर राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के अधिकारियों के साथ बैठक करने के लिए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,एनएसटीएफडीसी ने हैदराबाद का दौरा किया।

(ङ) डिक्की के प्रतिनिधि के साथ बैठक करने के लिए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,एनएसटीएफडीसी ने तेलंगाना का भी दौरा किया। ट्राईकोर-तेलगांना के माध्यम से एनएसटीएफडीसी की वित्तीय सहायता के विस्तार की संभावनाओं के बारे में विचार -विमर्श करने के लिए सलाहकार (कल्याण), तेलंगाना सरकार के साथ एक और बैठक आयोजित की गई ।

(च) जनजातीय कारीगरों के ऋण प्रस्तावों को शीघ्र भिजवाने के लिए परियोजना (प्रमुख) ने ट्राईफ़ेड, क्षेत्रीय कार्यालय (रांची) का दौरा किया।

(छ) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने सुंदरगढ़ (ओडिशा) का दौरा किया, इस दौरे के दौरान:

क.साझेदारी के संबंध में परियोजना प्रशासक, आईटीडीए (सुंदरगढ़ जिला) के साथ एक बैठक आयोजित की गई ।

ख. सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के साथ एनएसटीएफडीसी की चल रही पुनर्वित्त गतिविधियों की समीक्षा की गई।

ग. साझीदार बैंकों के माध्यम से एनएसटीएफडीसी की वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले लाभार्थियों के साथ बातचीत हुई ।

घ. स्थायी कृषि पद्धति के लिए जैविक खेती करने वाले गैर-सरकारी संगठनों जैसे सेवक,सीआईआरटीडी,ट्रिकल-अप एवं ओडिशा आजीविका मिशन (ओएलएम) इत्यादि के साथ विचार-विमर्श किया गया ।

ङ. अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएसटीएफडीसी ने भोपाल में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग द्वारा आयोजित अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण नीति, सामाजिक-आर्थिक विकास कार्यक्रम / स्कीम और अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति (अत्याचारों की रोकथाम) के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक में भाग लिया।

भोपाल दौरे के दौरान, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने क्षेत्रीय प्रबंधक, ट्राईफेड से मुलाकात की । जनजातीय कारीगरों की इकाइयों का फील्ड दौरा भी किया गया ।

च. एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों ने स्त्री निधि क्रेडिट सहकारी संघ (तेलंगाना) के माध्यम से सहायता प्राप्त इकाइयों का निरीक्षण करने के लिए नालगोंडा जनपद (तेलंगाना) का दौरा किया ।

छ. अक्टूबर, 2017 माह में एनएसटीएफडीसी से संबंधित रिक्तियों की स्थिति को अद्यतन करने और एसीसी रिक्ति निगरानी प्रणाली में पोस्टिंग संबंधी जानकारी शून्य है।

(3)**नवम्बर**, 2017 **माह के दौरान कार्यान्वित प्रमुख गतिविधियां**:

(क) निष्पादन:

वर्ष 2017-18 के लक्ष्यों और उपलब्धियों की स्थिति निम्नानुसार है:

(**करोड़ रुपए में**)

क्र.सं.	**मद**	**वित्तीय वर्ष 2017-18**		**पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान निष्पादन**
		वार्षिक लक्ष्य	**30.11.2017 तक की उपलब्धि**	
i.	**मंजूरी**	**240.00**	**121.37**	**130.65**
ii.	**संवितरण**	**236.00**	**66.81**	**60.59**

(क) वैश्विक जनजातीय उद्यमिता शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इस माह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएसटीएफडीसी ने दांतेवाड़ा, छत्तीसगढ़ का दौरा किया । अपने इस दौरे के दौरान उन्होंने एनएसटीएफडीसी द्वारा सहायता प्राप्त इकाइयों और ट्राईफेड के आदिवासी कारीगर इकाइयों का भी निरीक्षण किया ।

(ख) राष्ट्रीय उद्यमिता दिवस के अवसर पर, एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए एनएसटीएफडीसी ने अध्यक्ष, डिक्की (डीआईसीसीआई) को

आमंत्रित किया।

(ग) इस अवसर पर, एनएसटीएफडीसी ने अगरतला **(**त्रिपुरा**)** हफलांग, कार्बी एंग्लोंग जिला **(**असम**),** राजकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज, भोपाल **(**मध्य प्रदेश**)** और बारिपदा, मंयूरभंज जिला **(**ओडिशा**)** में उद्यमिता जागरूकता शिविर तथा आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में एनएसटीएफडीसी की योजनाओं पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

(घ**)** जनजातीय कार्य मंत्रालय ने **16** से **30** नवंबर**, 2017** तक **आदि महोत्सव** का आयोजन किया**,** जिसमें एनएसटीएफडीसी ने भी भाग लिया।

(ड.**)** उप महाप्रबंधक **(**परियोजना**)** ने नाबार्ड द्वारा प्रायोजित कृषि **(**वाडी परियोजना**)** में बीएआईएफ द्वारा किए गए प्रयासों का अवलोकन करने हेतु खुंटी **(**झारखंड**)** का क्षेत्रीय दौरा किया ।

(च**)** एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों ने त्रिपुरा अनुसूचित जनजाति सहकारी विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से सहायता प्राप्त इकाइयों की निगरानी के लिए अगरतला **(**त्रिपुरा**)** का क्षेत्रीय दौरा किया ।

(छ**)** एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से रि**-**फाइनेंस किए जाने वाले संभावित लाभार्थियों की पहचान करने के लिए क्यूंझर**,** बारबिल**,** सुंदरगढ़ और संबलपुर **(**ओडिशा**)** का दौरा किया।

(ज**)** नवंबर**, 2017** माह में एनएसटीएफडीसी से रिक्तियों का स्टेटस अपटेड करने तथा उन्हें एसीसी रिक्ति निगरानी प्रणाली में पोस्टिंग करने संबंधी जानकारी शून्य है।

(4)**दिसम्बर**,2017 **माह के दौरान कार्यान्वित प्रमुख गतिविधियां**:

(क) निष्पादन:

वर्ष 2017-18 के लक्ष्यों और उपलब्धियों की स्थिति निम्नानुसार है:

(**करोड़ रुपए में**)

क्र.सं.	**मद**	**वित्तीय** वर्ष **2017-18**		**पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान निष्पादन**
		वार्षिक लक्ष्य	**31.12.2017 तक की उपलब्धि**	
i.	**मंजूरी**	**240.00**	**158.40**	**131.97**
ii.	**संवितरण**	**236.00**	**78.92**	**62.61**

(ख) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएसटीएफडीसी ने निम्नलिखित दौरे किए:

- राज्य में ऋण गतिविधियों को पुनर्जीवित करने के लिए प्रबंध निदेशक, मणिपुर आदिवासी विकास निगम के के साथ चर्चा करने के लिए इंफाल (मणिपुर) का दौरा किया । अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने मुख्य सचिव, आदिवासी क्षेत्र और हिल्स, मणिपुर सरकार के साथ चर्चा भी की थी। मणिपुर दौरे के दौरान, उन्होंने मणिपुर ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष के साथ भी चर्चा की।
- जिला आयुक्त, तेमेंगलोंग से चर्चा करने के लिए तेमेंगलोंग (मणिपुर), का दौरा किया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने तेमेंगलोंग में आदिवासी किसानों और नारंगी किसानों के साथ भी बातचीत की।
- अपर मुख्य सचिव (वित्त), असम सरकार से बैठक के लिए गुवाहाटी का दौरा किया तथा उन्होंने बैठक में लंबे समय से लंबित अतिदेय राशि के भुगतान के लिए अनुरोध किया ।
- प्रबंध निदेशक, मेघालय राज्य सहकारी अपेक्स बैंक लिमिटेड एवं अध्यक्ष, मेघालय ग्रामीण बैंक से अधिकाधिक प्रस्ताव भिजवाने हेतु चर्चा के लिए शिलांग (मेघालय) का दौरा किया ।

- प्रबंध निदेशक, पश्चिम बंगाल अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास और पश्चिम बंगाल आदिवासी विकास सहकारी निगम लिमिटेड के साथ ऋण गतिविधि को पुनर्जीवित करने के लिए चर्चा हेतु कोलकाता (पश्चिम बंगाल) का दौरा किया और इसके साथ ही एनएसटीएफडीसी की अंतर लेनदेन पहल पर एक परामर्शदात्री चर्चा भी हुई थी। उन्होंने बंधन बैंक के प्रबंध निदेशक से बंधन बैंक के वित्त पोषण मॉडल के बारे में भी चर्चा की ।
- उन्होंने सुंदरवन (पश्चिम बंगाल) में लैम्पस का भी क्षेत्रीय दौरा किया ।

(ख) उप महा प्रबंधक (परियोजना) ने अतिदेय राशि के भुगतान एवं प्रस्ताव भिजवाने के लिए कोहिमा और दीमापुर (नागालैंड) का दौरा किया।

(ग) उप महा प्रबंधक (परियोजना) ने कार्यकारी निदेशक, गुजरात जनजातीय विकास निगम के साथ सरकारी गारंटी में वृद्धि एवं अधिक प्रस्ताव भिजवाने संबंधी मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श के लिए गांधी नगर का भी दौरा किया गया ।

(घ) एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों ने छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश) में भरीया समाज सम्मेलन में भाग लिया और एनएसटीएफडीसी के बारे में सूचना का प्रचार-प्रसार किया ।

(ड.) एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों ने संभावित लाभार्थियों की पहचान करने के लिए अनूपपुर (मध्य प्रदेश) का दौरा किया, जिन्हें सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से पुनर्वित्त किया जाना था।

(च) निगम के निदेशक मंडल की 72 वीं बैठक आयोजित की गई थी।

(छ) दिसंबर, 2017 माह के लिए एनएसटीएफडीसी से संबंधित रिक्तियों की स्थिति को अद्यतन करने और एसीसी रिक्ति निगरानी प्रणाली में पोस्टिंग के संबंध में जानकारी शून्य है।

* * * * *

विषय:- **<u>निगम में दिनांक</u>** 01.09.2017 **<u>से</u>** 15.09.2017 **<u>तक मनाए गए " हिंदी पखवाड़े " का संक्षिप्त विवरण ।</u>**

निगम में राजभाषा नियमानुसार दिनांक 01-15 सितम्बर,2017 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस अवधि के दौरान निगम में निम्नलिखित कार्यक्रम/प्रतियोगिताएं आयोजित की गई:-

क्र.सं.	**प्रतियोगिता का नाम**	**दिनांक**
1.	हिंदी श्रुत लेख (केवल चतुर्थ श्रेणी के कार्मिकों हेतु)	05.09.2017
2.	हिंदी टंकण प्रतियोगिता	06.09.2017
3.	हिंदी टिप्पण और प्रारूप लेखन प्रतियोगिता	08.09.2017
4.	चित्र अभिव्यक्ति प्रतियोगिता	11.09.2017
5.	हिंदी कार्यशाला	12.09.2017
6.	हिंदी निबंध प्रतियोगिता	13.09.2017
7.	**हिंदी पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह**	**22.09.2017**

निगम में **दिनांक 12.09.2017 को 11.30 बजे** (पूर्वाह्न) **(**एक घंटा **15** मिंट**)** "हिंदी कार्यशाला" का आयोजन किया गया । कार्यशाला में निगम में **<u>" हिंदी में ई-टूल्स "</u>** संबंधी जानकारी **डॉ. ईश्वर सिंह**, **प्रबंधक(राजभाषा)**, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड**,** नई दिल्ली द्वारा सभी कार्मिकों को दी गई।

दिनांक **22.09.2017** को अपराह्न 4.00 बजे निगम में "हिंदी पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह" का आयोजन किया गया । समारोह में माननीय गृह मंत्री, एवं मंत्रिमंडल सचिव, भारत सरकार के संदेश का परिचालन एवं वाचन किया गया । तदुपरांत, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय के करकमलों द्वारा उक्त प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए । इस दौरान सभी कार्मिकों से अपना अधिकाधिक दैनिक कार्य राजभाषा हिंदी में करने का आग्रह किया गया ।

नेशनल शेडयूल्ड ट्राइब्स फाइनांस एंड डेवलपमेंट कारपोरेशन

(अनुसूचित जनजातियों के आर्थिक उत्थान हेतु एक शीर्ष संगठन **)**

एनबीसीसी टावर, 5 वीं मंजिल, 15 भीकामी कामा प्लेस,नई दिल्ली-110066

टेलीफोन नं. 011-26712539, 26177046, 26177042,फैक्स नं.011-26712574;

वेबसाइट: www.nstfdc.nic.in **ईमेल:nstfdc@bol.net.in**

एनएसटीएफडीसी का संक्षिप्त विवरण

संगठन: नेशनल शेडयूल्ड ट्राइब्स फाइनांस एण्ड डेवलपमेन्ट कारपोरेशन (एनसटीएफडीसी) केवल अनुसूचित जनजातियों के आर्थिक उत्थान हेतु बनाया गया शीर्ष संगठन है। निगम अनुसूचित जनजातियों की आय जनित गतिविधियों हेतु राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों, कुछ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के माध्यम से रियायती ब्याज दरों पर वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए उनकी आर्थिक उन्नति में अग्रणी भूमिका निभाता है।

पात्रता मानदंड: एनएसटीएफडीसी से रियायती वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पात्रता मानदंड निम्नलिखित हैं:-

व्यक्तिगत /स्व सहायता समूहों हेतु	**सहकारी संस्था(ओं) हेतु**
• सभी आवेदक/सदस्य अनुसूचित जनजाति वर्ग के होने चाहिए । • आवेदक की वार्षिक पारिवारिक आय गरीबी रेखा आय	कम से कम 80% या ज्यादा सदस्य अनुसूचित जनजाति समुदाय के होने चाहिए एवं आवेदकों की वार्षिक पारिवारिक आय गरीबी रेखा आय सीमा से दुगुनी से अधिक नहीं होनी चाहिए । सदस्यता में

सीमा (डीपीएल) से दुगुनी से अधिक नहीं होनी चाहिए । योजना आयोग के मानदंडों के आधार पर वर्तमान में यह सीमा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 98000/-रुपए एवं शहरी क्षेत्रों के लिए 1,20,000/-रुपए वार्षिक से अधिक नहीं होनी चाहिए ।	परिवर्तन के मामले में वह सहकारी सोसाइटी यह सुनिश्चित करेगा कि एनएसटीएफडीसी की ऋण अवधि के दौरान अनुसूचित जनजाति सदस्यों का प्रतिशत 80% से कम नहीं है ।

योजना :

मियादी ऋण योजना	**आदिवासी महिला सशक्तिकरण योजना (आ.म.स.यो.)**	**स्व सहायता समूहों हेतु लघु ऋण योजना (लघु ऋण वित्त)**	**आदिवासी शिक्षा ऋण योजना (आ.शि.ऋ.यो.)**
25.00 लाख रुपए प्रति यूनिट तक की लागत वाली परियोजना के लिए 90% तक ऋण	1,00,000/-रुपए प्रति यूनिट तक की लागत वाली परियोजना के लिए 90% तक ऋण	प्रति स्व.स.समूह हेतु अधिकतम 5 लाख रुपए तथा प्रति सदस्य 50,000/-रु. तक का ऋण	प्रत्येक अनुसूचित जनजाति की पात्र परिवार को 6% वार्षिक रियायती ब्याज दर पर 5.00 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण
ब्याज दर: 6 से 10% वार्षिक	ब्याज दर: 4% वार्षिक	ब्याज दर: 6% वार्षिक	ब्याज दर: 6% वार्षिक

एनएसटीएफडीसी योजनाओं के अंतर्गत यदि अनुसूचित जनजाति समुदाय से संबंधित कोई व्यक्ति ऋण लेने के इच्छुक हो तो संबंधितराज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों/ उनके राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में स्थित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों से मार्गदर्शन हेतु संपर्क कर सकते हैं । राज्य चैनेलाइजिगं एजेंसियों का संपर्क विवरण एनएसटीएफडीसी के वेबसाइट www.nstfdc.nic.in पर उपलब्ध है ।

माँ का प्यार और नसीहत

मेरी कविता का शीर्षक है माँ का प्यार और नसीहत । प्रत्येक माँ का अपने बच्चे के प्रति कैसा प्यार और कैसी सोच होती है इस बात को मैंने अपने और अपने बेटे (हर्षित- 11 साल) के रूप में कविता द्वारा प्रस्तुत किया है । आशा करती हूँ कि आप सबको मेरी कविता पसंद आएगी ।

तेरी एक झलक को पाते ही - 2
पागल सी मैं हो जाती हूं
तुझमें ऐसा क्या आकर्षण है
यह समझ नहीं मैं पाती हूं ।

तुझको बॉहों में भर करके
सारी दुनिया भूल जाती हूं
तुझमें ऐसा क्या जादू है
यह समझ नहीं मैं पाती हूं ।

तेरी एक मधुर मुस्कान पर
खाना-पीना भूलकर, दौडी चली आती हूं
तेरी प्यारी-प्यारी बातों को सुनकर
लोटपोट हो जाती हूं ।

तुझे देखते ही
तेरी ओर खेंचीं चली आती हूं
तुझमें ऐसा क्या सम्मोहन है
यह समझ नहीं मैं पाती हूं ।

तेरे आह भरते ही
खुद को, रोक नहीं मैं पाती हूं
सरपट दौडी आती हूं
तुझसे ऐसी क्या डोर बंधी
तेरी ओर खेंचीं चली आती हूं ।

जब तक तू नहीं खाता है
अजीब सी बैचेनी रहती है
तेरे खाना खाते ही, पेट मेरा भर जाता है
अहा कैसी राहत मिलती है
मैं ब्यान नहीं कर सकती हूं ।

तेरे कौतूहल भर प्रश्न सुनकर
हैरान मैं हो जाती हूं
कैसे इनका उत्तर दू
यह समझ नहीं मैं पाती हूं ।

तेरी नटखट हरकतों को देखकर -2
बचपन मैं अपना याद करती हूं
क्या मैं भी ऐसी नटखट थी - 2 ?
यही मैं सोचा करती हूँ ।

तेरी शरारतों से खफा होकर
तुझको डांट मैं लगाती हूं
परन्तु तेरी एक मुस्कुराहट पाते ही
सब कुछ मैं भूल जाती हूं ।

तेरी गल्तियों पर कठोर होकर
फिर से पिघल मैं जाती हूं
तुझको बॉहों में भर करके
गले से मैं लगाती हूं ।

चाहे मैं डांटू तुझको कितना -2
चाहे मैं तुझको प्यार करू
पर किसी के द्वारा तुझको डांटना
मैं बर्दाश न कर पाती
ये कैसी माँ की ममता है
यह समझ नहीं मैं पाती हूं ।

दूसरों से तेरी तारीफ सुनकर
फूली नही समाती हूं
तू है ही ऐसा प्यारा - 2
कि मैं ब्यान नहीं कर सकती हूं ।

खाते-पीते उठते-बैठते
तेरा ही ध्यान रहता है
बस यही कामना करती हूं
कि खुशियाँ तुझे हजार मिलें
चाहे बदले में मुझे, गम लाख मिलें ।

हर हाल में बैठे-बैठे
तेरी दीर्घायु की कामना करती हूं
खुशियों से तेरी झोली भरे
बस यही कामना मैं करती हूं ।

यही दुआ है मेरी,
तू छू ले आकाश की ऊंचाई को
इतनी तुझमें समझ हो कि
तू समझ सके समुद्र की गहराई को ।

यही कामना है मेरी
करना तुम हमेशा ऐसा काम
जग में हो जिससे तुम्हारा नाम
तन, मन, धन से करना सेवा
बच्चों, बूढों और नि:सहायों की
देना सम्मान सदा बड़ों को
छोटो को तुम प्यार देना ।